



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 586] नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 10, 1985/अग्रहायण 19, 1907
No. 586] NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 10, 1985/AGRAHAYANA 19, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय
(नागरिक पूर्ति विभाग)
नई दिल्ली, 10 दिसम्बर, 1985
अधिसूचनाएं

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES
(Department of Civil Supplies)
New Delhi, the 10th December, 1985

NOTIFICATIONS

का. आ. 888 (अ) :—केन्द्रीय सरकार अधिम सविदा (विनि-
यमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन
रोहतक कृष्णा ट्रेडिंग कंपनी लि., रोहतक द्वारा मान्यता के नवीकरण
के लिए किए गए आवेदन पर वायदा बाजार आयोग के परामर्श से
वेचारे करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार
के हित में और लोक हित में होगा, एतद्वारा उक्त अधिनियम की
धारा-6 के द्वारा प्रयुक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त कंपनी को
गुड में अधिम सविदा हेतु 10 दिसम्बर, 1985 से 9 दिसम्बर, 1987 तक
(दोनों दिन शामिल हैं) 2 वर्ष की अवधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अधीन है कि उक्त कंपनी
ऐसे निदेशों का पालन करेगी जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-
समय पर दिए जाएंगे।

[मिसिल सं 12/1/आईटी/84]

S.O. 888(E).—The Central Government, having
considered in consultation with the Forward Markets
Commission, the application for renewal of recognition
made under Section 5 of the Forward contracts
(Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the Rohtak
Krishna Trading Company Ltd., Rohtak, and being
satisfied that it would be in the interest of the trade
and also in the public interest so to do, hereby grants,
in exercise of the powers conferred by Section 6 of
the said Act, recognition to the said Company for a
period of two years from the 10th December, 1985
to the 9th December, 1987 (both days inclusive) in
respect of forward contracts in gur.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Company shall comply with such directions, as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12/1/IT/84]

का. आ. 889 (अ).—केन्द्रीय सरकार अग्रिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा-5 के अन्तर्गत अधिमान्त वेन एक्सचेंज लिमिटेड, लुधियाना द्वारा भाग्यता के नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में होगा, एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा-6 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त एक्सचेंज को गुरु में अग्रिम संविदा हेतु 10 दिसम्बर, 1985 से 9 दिसम्बर, 1987 (दोनों दिन शामिल हैं) 2 वर्ष की अवधि के लिए भाग्यता प्रदान करती है।

2. एतद्वारा प्रदत्त भाग्यता इस शर्त के अध्याधीन है कि उक्त एक्सचेंज ऐसे निर्देशों का पालन करेगी जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाएं।

[मिगिल सं. 12/1/आईटी/84]

S.O. 889(E).—The Central Government, in consultation with Forward Markets Commission, having considered the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Ludhiana Grain Exchange Limited, Ludhiana, and being satisfied that it would be in the interest of trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Exchange for a period of two years on and from the 10th December, 1985 to the 9th December, 1987 (both days inclusive) in respect of forward contracts in gur.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Exchange shall comply with such directions, as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12/1/IT/84]

का. आ. 890 (अ).—केन्द्रीय सरकार अग्रिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा-5 के अधीन इंडियन एक्सचेंज लि., अमृत्सर द्वारा भाग्यता के नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में होगा, एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा-6 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त एक्सचेंज को गुरु में अग्रिम संविदा हेतु 10 दिसम्बर, 1985 से 9 दिसम्बर, 1987 तक (दोनों दिन शामिल हैं) 2 वर्ष की अवधि के लिए भाग्यता प्रदान करती है।

2. एतद्वारा प्रदत्त भाग्यता इस शर्त के अध्याधीन है कि उक्त एक्सचेंज ऐसे निर्देशों का पालन करेगी जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाएं।

[मिगिल सं. 12/1/आईटी/84]

S.O. 890(E).—The Central Government, in consultation with the Forward Markets Commission, having considered the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by Bhatinda Om and Oil Exchange Ltd., Bhatinda, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Exchange for a period of two years on and from the 10th December, 1985 to the 9th December, 1987 (both days inclusive) in respect of forward contracts in gur.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Exchange shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12/1/IT/84]

का. आ. 891(अ).—केन्द्रीय सरकार अग्रिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा-5 के अधीन इंडियन एक्सचेंज लि., अमृत्सर द्वारा भाग्यता के नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर वायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में होगा, एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा-6 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त एक्सचेंज को गुरु में अग्रिम संविदा हेतु 10 दिसम्बर, 1985 से 9 दिसम्बर, 1987 तक (दोनों दिन शामिल हैं) 2 वर्ष की अवधि के लिए भाग्यता प्रदान करती है।

2. एतद्वारा प्रदत्त भाग्यता इस शर्त के अध्याधीन है कि उक्त एक्सचेंज ऐसे निर्देशों का पालन करेगी जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाएं।

[मिगिल सं. 12/1/आईटी/84]

पी. एन. कौल, आर्थिक सलाहकार

S.O. 891(E).—The Central Government, in consultation with the Forward Markets Commission, having considered the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Indian Exchange Ltd., Amritsar, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Exchange for a period of two years on and from the 10th December, 1985 to the 9th December, 1987 (both days inclusive) in respect of forward contracts in gur.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Exchange shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12/1/IT/84]

P. N. KAUL, Economic Adviser